B.A. 1st Semester (General) Examination, 2017 (CBCS)

Subject : Sanskrit

AH-III/Sanskrit/SEC-I/18

B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2018 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Paper : SEC-I

Time: 2 Hours **Full Marks: 40**

The figures in the margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable.

Instruction to Candidates

परीक्षार्थिनां कृते निर्देश:

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् **Group-'A'** and **Group-'B'** इति विभागद्वयं वर्तते। प्रथमत: परीक्षार्थिभि: सावधानतया स्वपठित *एको* विभागो निश्चेतव्य:। ततश्च यथा निर्देशं प्रश्ना: समाधातव्या:।

এই প্রশ্নপত্রে **Group-'A'** এবং **Group-'B'** *দুটি* বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত *দুটি* বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত *একটি* বিভাগ থেকে প্রশ্নগুলির উত্তর দেবেন।

Group-'A'

BASIC SANSKRIT

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु *पञ्चानां* प्रश्नानाम् उत्तरं देवनागरीलिपिमाश्रित्य सुरगिरा प्रदेयम्। 2×5=10

निम्नलिखित প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত-ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

(a) निम्नलिखितेषु पदेषु कस्यचित् पदद्वयस्य वचनं विभक्तिं च निरुपयत।
নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি পদের বচন ও বিভক্তি নির্ণয় করো।
सूर्यस्य, मात्रा, वारिषु, मश्यम्।

(b) निम्नलिखितेषु द्वयो: द्वितीयाबहुवचने रूपं लिखत।
নিম্নলিখিত শব্দগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি শব্দের দ্বিতীয়া-বিভক্তির বহুবচনের রূপ লেখো।
मुनि, नदी, दधि, युष्मद्।

(c) अधस्तनेषु द्वयो: लटि उत्तमपुरूष द्विवचने रूपं लेखनीयम्।
নিম্নলিখিত ধাতুগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি ধাতুর লট্-লকারের উত্তমপুরুষের দ্বিবচনগত রূপ লেখো।
भू, श्रु, दा, लभ्।

(d) प्रदत्तेषु धातुरूपेषु द्वयो: पुरुषं वचनं च निर्दिशत।
নিম্নলিখিত ধাতুরূপগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি ধাতুরূপের পুরুষ ও বচন নির্ণয় করো।
द्रक्ष्यति, श्रृणु, जानासि, पचेत्।

(e) ब्राह्मीलिपिमाश्रित्य पदद्वयं लिख्यताम्।
নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি পদকে ব্রাহ্মীলিপিতে রূপান্তরিত করে লেখো।
कमलम्, सौरभम्, नगरी, प्रमाणम्।

(f) उचितं पदं योजयित्वा रिक्तस्थानानि पूरयन्तु।
যোগ্য পদের দ্বারা শূন্যস্থান পূরণ করো।
(i) एते बालकाः _____। (पठन्ति/पठामः)
(ii) शिशुः चन्द्रं _____। (दृश्यति/पश्यति)

(g) ब्रह्मदत्तः कुत्र प्रतिवसति स्म? स कथं ग्रामान्तरं प्रस्थितः?
ব্রহ্মদত্ত কোথায় বাস করত? সে কেন গ্রামান্তরে প্রস্থান করেছিল?

(h) ग्रामे यात्राकाले ब्रह्मदत्तो मात्रा किमुपदिष्टः?
গ্রামে গমন সময়ে মা ব্রহ্মদত্তকে কী উপদেশ দিয়েছিল?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्।
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। 5×2=10

(a) निम्नलिखितेषु पञ्चपदानि व्यवहृत्य सरलेन संस्कृतेन वाक्यानि रचयत।
নিম্নলিখিত পদগুলির মধ্যে পাঁচটি পদ ব্যবহার করে সংস্কৃতভাষায় বাক্য গঠন করো।
कवयः, फलानि, कलमेन, मातरम्, वर्तते, गमिष्यामि, पचति।

(b) पञ्चानां वाक्यानां संशोधनं कुरूत।
যে কোনো পাঁচটি বাক্য সংশোধন করে লেখো।
(i) साधवः स्वभावेन सरलः।
(ii) गृहस्थाः अतिथिं सेवन्ति।
(iii) वर्षायां मार्गः पिच्छिलः भवति।
(iv) सर्वे प्रजाः नृपं प्रशंसन्ति।
(v) नरपत्युः आदेशः पालनीयः।
(vi) अष्यानि फलानि आनय।
(vii) मे मित्रः आगच्छति।

(c) मातृभाषया अनुवादो विधेयः।
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।
''अथ तस्य तं निश्चयं ज्ञात्वा, समीपस्थवाप्याः सकाशात् कर्कटमादाय मात्राऽभिहितं – वत्स ! अवश्यं यदि गन्तव्यं, तदेष कर्कटोऽपि सहायो भवतु। तदेनं गृहीत्वा गच्छ।'' सोऽपि मातुर्वचनादुभाभ्यां पाणिभ्यां संगृह्य कर्पूरपूटिकामध्ये निधाय पात्रमध्ये संस्थाप्य शीघ्रं प्रस्थितः।

(d) ब्राह्मी लिप्यां स्वरवर्णाः लेख्याः।
ব্রাহ্মী লিপিতে স্বরবর্ণগুলি লেখো।

3. निर्देशानुसारं प्रश्नद्वयं समाधेयम्।
নির্দেশানুসারে যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও। 10×2=20

(a) मातृभाषया अनुवादो विधेयः।
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো।
उत्तीर्णः सायंकालः। 'जनशून्यं विस्तीर्णं प्रान्तरम्। तमसा सर्वा दिक् आच्छन्ना। तत्र असहाया एका वधूः। सहसा कश्चिद् गम्भीरः कण्ठस्वरः श्रुतःतिष्ठ इति। प्रविशति पत्न्या सह भीषणदर्शनः कश्चित् दस्युः। भयहीना सा वधूः दस्युं वदति स्म – 'पितः! तव जामातुः समीपं गच्छामि। सङ्गिविहीनां मां कृपया तत्र नय इति।'

(b) संस्कृतभाषया अनुवाद: करणीय:।
সংস্কৃত ভাষায় অনুবাদ করো।
এই বাগানটি সুন্দর। বাগানে সুন্দর সুন্দর গাছ ও লতা আছে। গাছে ও লতায় ফল ও ফুল দেখতে পাওয়া যাচ্ছে। সেখানে ভ্রমররা মধুর গুঞ্জন করছে। কোকিলের কূজনে বসন্ত সেখানে নিত্য বিরাজিত।

(c) ब्राह्मी लिपिमाश्रित्य स्पर्शवर्णा: लेख्या:।
ব্রাহ্মী লিপির অবলম্বনে ক-বর্ণ থেকে ম-বর্ণ পর্যন্ত স্পর্শবর্ণগুলি লেখো।

(d) ''सर्पव्यापादनाद् रक्षित:'' - अत्र क: सर्पव्यापादनात् कथं वा रक्षित:? इति पठितकथानकमनुसृत्य प्रतिपाद्यताम्।
''सर्पव्यापादनाद् रक्षित:''- এখানে কে সর্পদংশন থেকে কীভাবে রক্ষা পেয়েছিল, তা পঠিত কথানকের অনুসরণে বর্ণনা করো।

Group-'B'

ETHICAL AND MORAL ISSUES

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु पञ्च प्रश्नानामुत्तरं देवनागरीलिप्यां सरलया सुरगिरा प्रदेयम्। 2×5=10
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *পাঁচটি* প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।

(a) धीमतां मूर्खाणां च काल: कथं गच्छति?
বুদ্ধিমান ব্যক্তিদের ও মূর্খ ব্যক্তিদের সময় কীভাবে ব্যয় হয়?

(b) केषु विश्वासो न कर्तव्य:?
কাদের বিশ্বাস করা উচিত নয়?

(c) क: यथार्थ: पण्डित:?
কে যথার্থ জ্ঞানী?

(d) को नाम हिरण्यक:? स कुत्र प्रतिवसति स्म?
হিরণ্যক কে? সে কোথায় বাস করত?

(e) कल्याणकामिना पुरुषेण के दोषा: हातव्या:?
কল্যাণকামী পুরুষের কোন দোষগুলি ত্যাগ করা উচিত?

(f) वायसस्य नाम किम्? स कुत्र प्रतिवसतिस्म? कमपश्यत् स:?
বায়সের নাম কী? সে কোথায় বাস করত? সে কাকে আসতে দেখল?

(g) शृगालस्य नाम किमासीत्? स कथं त्रस्तहृदय: अभवत्?
শৃগালের নাম কী ছিল? সে কেন ভয় করছিল?

(h) स्वामिसदृशा एव भवन्ति भृत्या: - इति कस्येयमुक्ति: कमुद्दिश्य सा तत् लिख्यताम्।
स्वामिसदृशा एव भवन्ति भृत्या: - এই উক্তিটি কাকে উদ্দেশ্য করে কে বলেছে?

2. अधोलिखितेषु द्वयो: प्रश्नयो: समाधानं कर्तव्यम्। 5×2=10
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) अनुवादो विधेय: -
মাতৃভাষায় অনুবাদ করো :

शोकस्थान सहस्राणि भयस्थान शतानि च।
दिवसे दिवसे मूढमाविशन्ति न पण्डितम्।।

अथवा,

भये वा यदि वा हर्षे सम्प्राप्ते यो विमर्शयेत्।
कृत्यं न कुरुते वेगान्न स सन्तापमाप्नुयात्।।

(b) কস্যচিদেকস্য সরলসংস্কৃতেন ব্যাখ্যা কার্যা।

যে কোনো একটির সরল সংস্কৃত ভাষায় ব্যাখ্যা করো।

দাতব্যমিতি যদানং দীয়তেঽনুপকারিণে।
দেশে কালে চ পাত্রে চ তদ্দানং সাত্ত্বিকং স্মৃতম্।।

অথবা,

অশ্বঃ শস্ত্রং শাস্ত্রং বীণা বাণী নরশ্চ নারী চ।
পুরুষবিশেষং প্রাপ্তা ভবন্ত্যযোগ্যাশ্চ যোগ্যাশ্চ।।

(c) উচিতং পদং সমুচিতে স্থানে যোজয়িত্বা রিক্তস্থানানি পূরণীয়ানি।

(পুংসাং, রামো, মৃগায়, বিপত্তিকালে, হেমমৃগস্য)

অসম্ভবং _____ জন্ম,
তথাপি _____ লুলুভে _____।
প্রায়ঃ সমাপন্ন _____।।
ধিয়োঽপি _____ মলিনীভবন্তি।।

(d) মহাত্মনাং স্বভাবসিদ্ধাঃ গুণাঃ আলোচ্যন্তাম্।

মহাপুরুষদের স্বভাবসিদ্ধ গুণগুলি আলোচনা করো।

3. যথানির্দেশং প্রশ্নদ্বয়ং সমাধেয়ম্। 10×2=20

যে কোনো *দুটি* প্রশ্নের উত্তর দাও।

(a) পঠিতকথামনুসৃত্য চিত্রগ্রীবস্য আশ্রিত-বাত্সল্যং প্রতিপাদ্য 'ত্রৈলোক্যস্যাপি প্রভুত্বং ত্বয়ি যুজ্যতে' - ইত্যুক্তেঃ সার্থকতাং নিরুপয়ত।

পঠিত কথার অনুসরণে চিত্রগ্রীবের আশ্রিতদের প্রতি বাৎসল্য প্রতিপাদন করে 'ত্রৈলোক্যস্যাপি প্রভুত্বং ত্বয়ি যুজ্যতে'- এই উক্তির সার্থকতা বিচার করো।

(b) কঙ্কণস্য তু লোভেন - ইত্যত্র লোভস্য অন্তিমাং দশাং বৃদ্ধপথিককথামাধারীকৃত্য বর্ণয়ত।

কঙ্কণস্য তু লোভেন - এখানে লোভের চরম পরিণতি বৃদ্ধ-ব্যাঘ্র ও পথিকের কথার অবলম্বনে বর্ণনা করো।

(c) পাঠ্যাংশমনুসৃত্য হিতোপদেশস্য রচনাশৈলীং প্রতিপাদয়ত।

পাঠ্যাংশের অনুসরণে হিতোপদেশের রচনাশৈলী আলোচনা করো।

(d) ন শব্দমাত্রাদ্ ভেতব্যম্ - কস্যেদং বচনম্? স কথং শ্রোতুঃ মনোব্যথাং দূরীকর্তুং যততে? - ইতি শৃগাল-দুন্দুভি-কথামুররীকৃত্য বিশদয়ত।

ন শব্দমাত্রাদ্ ভেতব্যম্ - এই উক্তিটি কে, কার উদ্দেশ্যে করেছে? সে কীভাবে শ্রোতার মনোব্যাথা দূর করতে যত্নশীল? - শৃগাল-দুন্দুভি- কথার অনুসরণে বিস্তারিত আলোচনা করো।